भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 355 का उत्तर

आंध्र प्रदेश में ओंगोल-गुंटूर खंड के लिए रेल परियोजनाएं

***355. श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश में स्वीकृत और कार्यान्वित की जा रही नई रेल लाइन परियोजनाओं की विशेषकर ओंगोल और प्रकाशम जिलों सहित जिला-वार सूची क्या है और उनकी स्वीकृति का वर्ष, परियोजना लागत, संस्वीकृत/जारी की गई धनराशि, वास्तविक/वित्तीय प्रगति और पूरा होने की संभावित तारीख क्या है;

(ख) क्या सरकार को आंध्र प्रदेश सरकार से ओंगोल और आस-पास के जिलों के संबंध में नई रेल लाइनों अथवा रेल संपर्क परियोजनाओं के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो ऐसे प्रस्तावों की स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) दक्षिण मध्य रेलवे के ओंगोल-गुंटूर खंड के उन्नयन की वर्तमान स्थिति क्या है और इसकी वास्तविक और वित्तीय प्रगति क्या है; और

(घ) ओंगोल-गुंटूर खंड के उन्नयन के लिए स्वीकृत और जारी की गई तथा उपयोग में लाई गई धनराशि का ब्यौरा क्या है और इसे पूरा करने की समय-सीमा क्या है और इससे यात्री और माल ढुलाई क्षमता में कितना सुधार होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 12.08.2026 को लोक सभा में तारांकित प्रश्न सं. 355 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): ओंगोल (प्रकाशम जिले का मुख्यालय) हावड़ा - चेन्नई मुख्य रेल लाइन मार्ग पर स्थित है। ओंगोल की संपर्कता में सुधार लाने के लिए, विजयवाड़ा - गुडूर तीसरी लाइन (287 कि.मी.) की स्वीकृति दी गई है। गुडूर से पेद्दवडलपुडी (280 कि.मी.) तक रेलखंड को कमीशन किया जा चुका है। ओंगोल और गुंटूर स्टेशन पहले से ही तेनाली जंक्शन के रास्ते जुड़े हुए हैं। गुंटूर - तेनाली खंड दोहरी लाइन और तेनाली - ओंगोल खंड तीन लाइन रेलखंड हैं।

इस क्षेत्र में संपर्कता में और अधिक सुधार लाने के लिए, निम्नलिखित निर्माण कार्य/सर्वेक्षण कार्य किए गए हैं:

क्र.सं.	निर्माण कार्यों/सर्वेक्षणों के नाम	स्थिति
1	ओंगोल-दोनकोंडा नई लाइन (87 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण (एफएलएस) कार्य स्वीकृत किया गया है।
2	बल्लारशाह-तेनाली-ओंगोल-गुडूर चौथी लाइन (782 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।
3	नडिकुडि - श्री कालहस्ती नई लाइन परियोजना (309 कि.मी.)	• नडिकुडि - श्री कालहस्ती (309 कि.मी.) नई लाइन परियोजना का कार्य आंध्र प्रदेश सरकार के साथ लागत में साझेदारी के आधार पर 3,407 करोड़ रु. की लागत पर स्वीकृत किया गया है और यह भूमि राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क प्रदान की जानी है। इस परियोजना पर 2,384 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है। • इस परियोजना के लिए कुल 2258 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें से 1330 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण राज्य सरकार

		द्वारा किया गया है। • न्यू पिडुगुराल्ला से सावल्यपुरम (46 कि.मी.) और गुंड्लकम्मा से कनिगिरी (79 कि.मी.) खंडों को कमीशन किया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात, परियोजना के अनुमोदन के लिए विभिन्न हितधारकों सहित राज्य सरकारों से परामर्श और आवश्यक अनुमोदनों की आवश्यकता होती है, जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन। चूंकि परियोजनाओं का अनुमोदन सतत और गतिशील प्रक्रिया है, अतः सटीक समय सीमा तय नहीं की जा सकती।

आंध्र प्रदेश:

रेल बजट:

हाल के वर्षों में, बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-2014	886 करोड़ रु. प्रतिवर्ष
2026-2027	10,134 करोड़ रु. (11 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:
वर्ष 2009-14 और 2014-26 के दौरान, आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	363 कि.मी.	73 कि.मी. प्रतिवर्ष
2014-26	1,759 कि.मी.	147 कि.मी. प्रतिवर्ष (2 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 4,768 किलोमीटर लंबाई तथा 77,855 करोड़ रु. की लागत वाली 42 परियोजनाओं (12 नई लाइन और 30 दोहरीकरण) को स्वीकृति दी गई है। सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	12	1595	235	7,074
बहुपथन/दोहरीकरण	30	3174	1230	20,077
कुल	42	4,768	1,465	27,851

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	नंद्याल-यर्रगुंट्ला नई लाइन (126 कि.मी)	1,050
2	जग्गय्यापेटा-जनपहाड़ नई लाइन (48 कि.मी.)	737
3	ओबुलावारिपल्लि-कृष्णापट्टणम नई लाइन (113 कि.मी.)	2,300
4	विजयनगरम-कोत्तवलसा तीसरी लाइन (35 कि.मी.)	285
5	रायचूर-गुंतकल दोहरीकरण (81 कि.मी.)	388
6	गुंटूर-तेनाली दोहरीकरण (24 कि.मी.)	205
7	गुंतकल-कल्लूरु दोहरीकरण (41 कि.मी.)	410
8	मोटूमारी- शिरोपरि संरेखण सहित बाईपास (2 कि.मी.)	39
9	येलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 कि.मी.)	1,104
10	विजयवाडा-नरसापुर, गुडिवाडा-मचिलीपट्टणम तथा भीमवरम-निडदवोलू का विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण (221 कि.मी.)	4,688
11	गूटी-धर्मवरम दोहरीकरण (90 कि.मी.)	1,800
12	पेनुकोंडा-धर्मवरम दोहरीकरण (42 कि.मी.)	308

चालू परियोजनाएं:

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ प्रमुख परियोजनाएं, जिनका कार्य शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	कोटिपल्ली-नरसापुर नई लाइन (57 कि.मी.)	2,120

2	नडिकुडि-श्री कालहस्ती नई लाइन (309 कि.मी.)	3,407
3	रायदुर्ग-तुमकुर नई लाइन (207 कि.मी.)	4,565
4	मलुगूरु-पालसमुद्रम नई लाइन (18 कि.मी.)	342
5	मलकानगिरी-भद्राचलम-पांडुरंगपुरम नई लाइन (174 कि.मी.)	3,592
6	एरुपालेम-अमरावती-नंबुरु नई लाइन (57 कि.मी.)	2,047
7	विजयनगरम-टिटलागढ़ तीसरी लाइन (265 कि.मी.)	6,996
8	निर्गुण्डि-बारंग, खोरधा रोड-विजयनगरम तीसरी लाइन (385 कि.मी.)	4,963
9	कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण (189 कि.मी.)	3,580
10	काजीपेट-विजयवाड़ा तीसरी लाइन (220 कि.मी.)	3,315
11	विजयवाड़ा-गूडूर तीसरी लाइन (287 कि.मी.)	6,509
12	गुंतकल-गुंटूर दोहरीकरण (401 कि.मी.)	4,692
13	गुंटूर-बीबीनगर दोहरीकरण (239 कि.मी.)	2,853
14	मुदखेड़-मेडचल, महबूबनगर-डोन दोहरीकरण (417 कि.मी.)	4,686
15	मोटूमारी-विष्णुपुरम दोहरीकरण (89 कि.मी.)	1,596
16	गूडूर-रेणिगुंटा तीसरी लाइन (83 कि.मी.)	877
17	तिरुपति-काटपाडी दोहरीकरण (104 कि.मी.)	1,216
18	राजमंड्री-विशाखपट्टणम तीसरी तथा चौथी लाइन (198 कि.मी.)	9,889
19	गुंतकल-वाडी तीसरी तथा चौथी लाइन (230 कि.मी.)	4,758

पिछले तीन वर्षों अर्थात 2023-24, 2024-25, 2025-26 और चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में, आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल लंबाई 5,648 कि.मी. को कवर करने वाले 39 सर्वेक्षण कार्यों (11 नई लाइन और 28 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रस्तावित मार्ग का अपेक्षित यातायात पूर्वानुमान और लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा मुहैया कराई जाने वाली प्रथम और अंतिम स्थान संपर्कता

- **अनुपलब्ध कड़ियों का संपर्क और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्द्धन**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **किसी परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****